गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा परियोजना

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अंतरिक्ष से प्रक्षेपित मिसाइलों सहित उन्नत **हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिये** ['गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा कार्यक्रम] के निर्माण की घोषणा की।

- **परिचय:** यह **अंतरिक्ष-आधारित सेंसर** और **इंटरसेप्टर** के साथ एक **मिसाइल रक्षा परियोजना है, जिसे बहुस्तरीय ढाल** बनाने, **हाइपरसोनिक ,बैलिस्टिक**, [क्रूज़ मिसाइलों] और विश्व में कहीं से भी **ड्रोन को बेअसर करने हेतु डिज़ाइन किया गया है - जिसमें अंतरिक्ष भी शामिल है।**
  - **हज़ारों उपग्रह प्रक्षेपण के तुरंत बाद मिसाइलों को रोकने** हेतु पृथ्वी की परिक्रमा करेंगे - यह एक ऐसी अवधारणा है जिसे सबसे पहले [द्वितीय विश्व युद्ध] के दौरान **नाज़ी जर्मनी** द्वारा और [शीत युद्ध] के दौरान **सोवियत संघ** एवं **अमेरिका द्वारा खोजा गया था।**
- **यह इज़रायल के आयरन डोम** और **रोनाल्ड रीगन की सामरिक रक्षा पहल** (स्टार वार्स परियोजना) से प्रेरणा लेता है, जिसका लक्ष्य **बहुस्तरीय मिसाइल ढाल** तैनात करना है।
- **आयरन डोम के साथ तुलना : गोल्डन डोम** एक **महत्त्वाकांक्षी अगली पीढ़ी की रक्षा प्रणाली है जो भूमि, समुद्र और अंतरिक्ष** को कवर करती है, जबकि **आयरन डोम** एक **छोटी दूरी की, जमीन आधारित प्रणाली है** जो केवल **रडार पर निर्भर करती है , उपग्रहों पर नहीं।**
- **समान पहल: अमेरिका, चीन**, फ्राँस, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम जैसे कुछ देशों के पास अंतरिक्ष बल **(बाह्य अंतरिक्ष में संचालन करने के लिये ज़िम्मेदार सैन्य शाखा**) है।

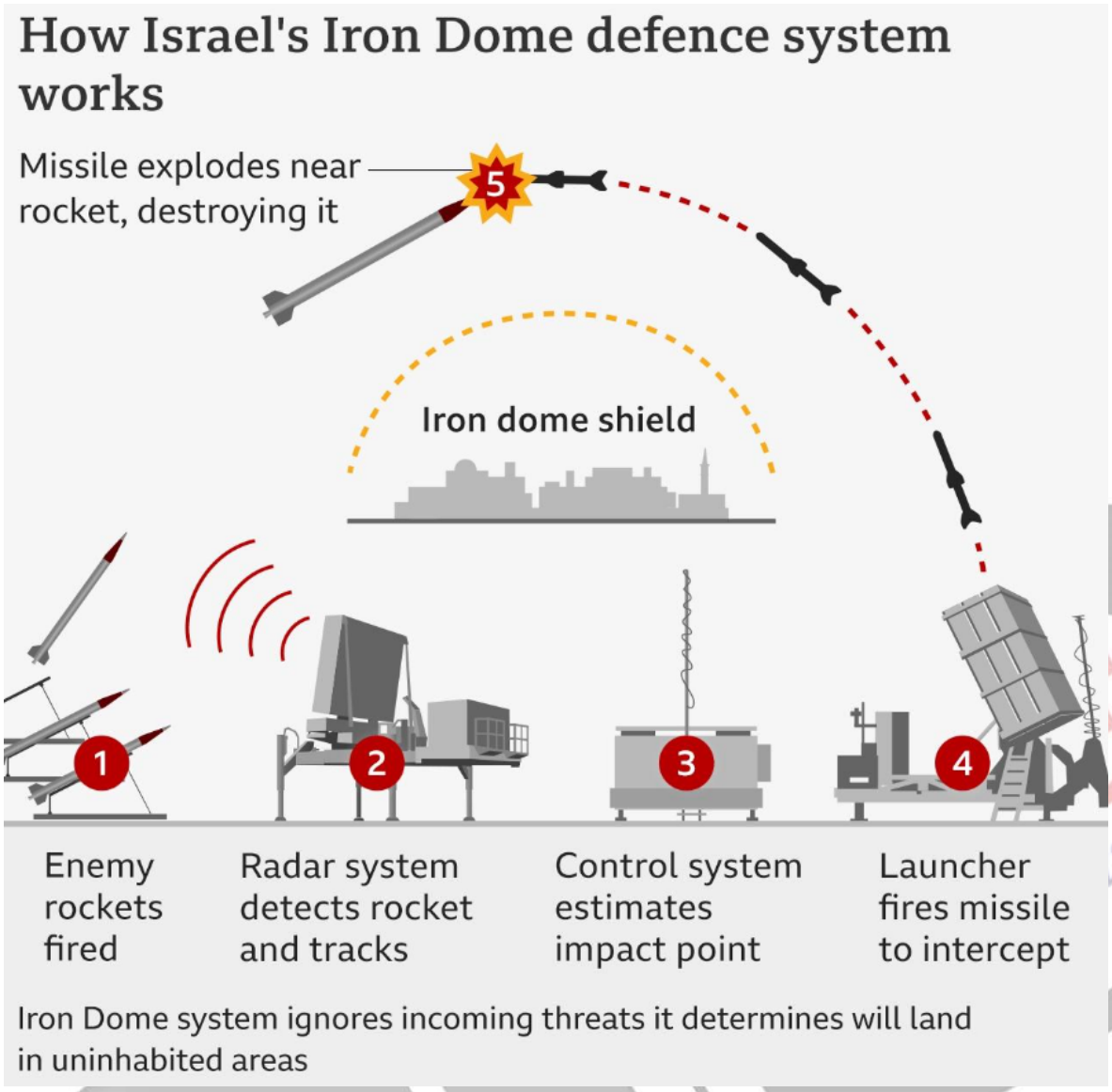

और पढ़ें: [भारत में सामरिक रक्षा प्रौद्योगिकियाँ]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/golden-dome-missile-defense-project